VYAPAR BHASKAR

Salt Refinery & Machinery Edition

RNI No.DELBIL/2016/71762

Vol.-X July-2024 Page-4 Hindi/English Monthly

Corporate Office : 2514, Tilak Bazar, Delhi-110006 Working Office : A-776, Shastri Nagar, Delhi-110052 Mobile : 09810601319, 09999077805 E-mail : vyaparbhaskar97@yahoo.com

SALT ASIA EXPO 2024 | MOST AWAITED EVENT OF THE YEAR | Coming Soon.....

नकली दांडी नमक कंपनी का मालिक गिरफ़्तार

वैशाली पुलिस और सूरत पुलिस ने संयुक्त कारवाई कर नक़ली दांडी नमक कंपनी के मालिक को गिरफ़्तार कर लिया है। जिसे वैशाली पुलिस गिरफ़्तार कर हाजीपुर लेकर पहुंची और आवश्यक कारवाई के बाद उसे जेल भेज दिया है। गिरफ्तार किया गया फर्जी नमक कंपनी का मालिक रामनिवास गुप्ता है, जो कि बिहार समेत अन्य कई राज्यों में नकली दांडी नमक का करोबार करता है।

इसकी भनक इंडोब्राइन इंडस्ट्रीज लिमिटेड गुजरात के दांडी नमक कंपनी के मार्केटिंग मैनेजर अभितेष कुमार को लगी थी।

जिसको लेकर पिछले वर्ष नक़ली दांडी नमक के सिंडीकेट का पता कर हाजीपुर नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

हाजीपुर, जंदाहा, काजीपुर थाना क्षेत्र से बड़े पैमाने पर नक़ली दांडी नमक बरामद किया गया था। इन थानों में भी दांडी नमक की कॉपीराइट की एफआईआर दर्ज कराई गयी थी।

पुलिस उस सिंडीकेट से जुड़े तीन आरोपियों को पहले ही जेल भेज चुकी थी। लेकिन कम्पनी का नाम बदलकर फर्जी तरीके से कारोबार करने वाला फर्जी कंपनी मालिक रामनिवास गुप्ता फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर वैशाली पुलिस ने सूरत से दबोचा है।

वैशाली जिले के हाजीपुर नगर थाना में दर्ज़ कांड संख्या – 5/23 है, जंदाहा थाना में प्राथमिकी दर्ज कांड संख्या –15/23, काजीपुर में 229/24, हाजीपुर कोर्ट परिवाद संख्या – 3891दर्ज हैं इसके अलावा जहानाबाद मखदुमपुर थाना में कांड संख्या –33/23 है। हालाकि इन कांडो में वांछित आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था।

इस संबंध में किसी अनुसंधानकर्ता रविंद्र पाल ने बताया कि नकली दांडी नमक की फर्जी कंपनी चलाई जा रही थी इसको लेकर हाजीपुर नगर थाने में मामला दर्ज था। कंपनी मालिक की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही थी। इसे गुप्त सूचना के आधार पर सूरत से गिरफ्तार करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पुलिस फर्जी नमक मालिक को गिफ़्तार कर पुछताछ के लिए ले जाते हुए

राजस्थान मे अधिक गर्मी से नमक उत्पादन 20 लाख टन से बढकर 25 लाख से 28 लाख टन होने की सम्भावना

नांवा मे इन दिनों भीषण गर्मी का दौर जारी है। गर्मी से निजात पाने के लिए मानसून के जल्दी आने की लोग दुआएं कर रहे हैं, लेकिन एक वर्ग ऐसा भी है जो की यह दुआ कर रहा है कि यह भीषण गर्मी आने वाले दिनों में भी जारी रहे। दरअसल, नमक उत्पादन करने वाले उत्पादक और नमक मजदूर यही दुआ कर रहे हैं कि गर्मी का दौर आगे भी जारी रहे ताकि, भीषण गर्मी के कारण नमक का बंपर उत्पादन हो।व्यापरिक सूत्रों के अनुसार प्रदेश की सबसे बड़ी नमक मंडी में अब फिर से रौनक लौटने लगी है। तापमान में वृद्धि होने से नमक की क्यारियों में एक बार फिर नमक की ढेरियां नजर आ रही हैं। नमक उत्पादन होने के बाद नमक रिफाइनरियां भी अब दोबारा शुरू हो सकेंगी। लंबे समय से बेरोजगार नमक श्रमिकों को भी रोजगार मिल सकेगा। हालांकि, अब भी नावा सांभर झील के तटवर्ती खारड़ों के नमक उत्पादकों को प्रशासनिक कार्रवाई का भय सता रहा है, लेकिन नमक उत्पादन शुरू होने से व्यापार को गति मिल सकेगी।बता दें कि इस साल प्रदेश में भीषण गर्मी से जहां आमजन परेशान रहा वहीं, नमक उत्पादकों को काफी फायदा हुआ है। आंकड़ों की बात करें तो नावां सांभर झील के आसपास हर साल करीब 20 लाख मीट्रिक टन नमक का उत्पादन होता है, लेकिन इस बार भीषण गर्मी पड़ने से नमक उत्पादन में काफी बढ़ोतरी हुई है।. बताया जा रहा है कि अब तक करीब 25 लाख मीट्रिक टन नमक का उत्पादन हो चुका है और अभी भी उत्पादन जारी है। हालांकि, नमक का उत्पादन ज्यादा होने से नमक के भावों में कमी जरूर आई है, लेकिन खास बात यह है कि नमक का उत्पादन अधिक होने से रोजगार के साथ–साथ मजदूरों की आय भी बढ़ी है। नमक उत्पादक प्रीतम चौधरी ने बताया कि भीषण गर्मी इस बार नमक व्यवसाय से जुड़े सभी वर्गों के लिए फायदेमंद साबित हुई है।

Bombay High Court quashes Rs 2 lakh penalty on TATA Salt for substandard iodisation

"The heat and light would decrease the iodine content of both packaged and open salt brands. The high humidity will result in rapid loss of iodine from salt iodised with potassium iodate, ranging from 30% to 98% of the original iodine content," the bench noted.

On February 28, 2012, a Food Safety Officer drew four samples of the Iodised Salt from a market in Buldhana. Some portion of the sample was sent to the District Health Laboratory (DHL), Amravati, for test and analysis. The remaining three samples were sent to a Designated Officer, Buldhana. The DHL analysed the sample and gave a report stating that the sample is misbranded as "Iodised Salt".

An appeal was filed with a request to send the sample of TATA Salt to the Referral Food Laboratory (RFL), Ghaziabad, Uttar Pradesh. The RFL in its report said that in the sample of Iodised Salt (TATA Salt), Sodium Chloride contents (dry wt. basis) is less than the minimum prescribed limits and the sample is, thus, substandard.

The bench of Justice Anil Pansare agreed with Advocate AK Somani, appearing for the manufacturers, that the iodised salt can lose its iodine due to environmental factors, such as heat, light, moisture, etc. "The heat and light would decrease the iodine contents of both packaged and open salt brands. The high humidity will result in rapid loss of iodine from salt iodized with potassium iodate, ranging from 30% to 98% of the original iodine content," noted the bench.

Somani's argument was that there was no justification to show how the sample that was found misbranded by DHL was found substandard in the analysis done by the RFL.

The bench also noted that the RFL had not assigned any reason for its finding and thus deemed it necessary to issue directions to the Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) to take appropriate steps, by issuing an advisory, circular or office order directing RFL to assign reasons as to why the DHL's report is unacceptable, if its opinion varies from that of DHL.

The bench said that the RFL had not followed the time-limit stipulated under the rules. "The Report, thus, suffers from non-compliance of mandatory provisions. The penalty cannot be imposed on the basis of such a report. The Adjudicating Officer, as also the Tribunal, have rendered unsustainable findings," said the order passed by Justice Pansare.

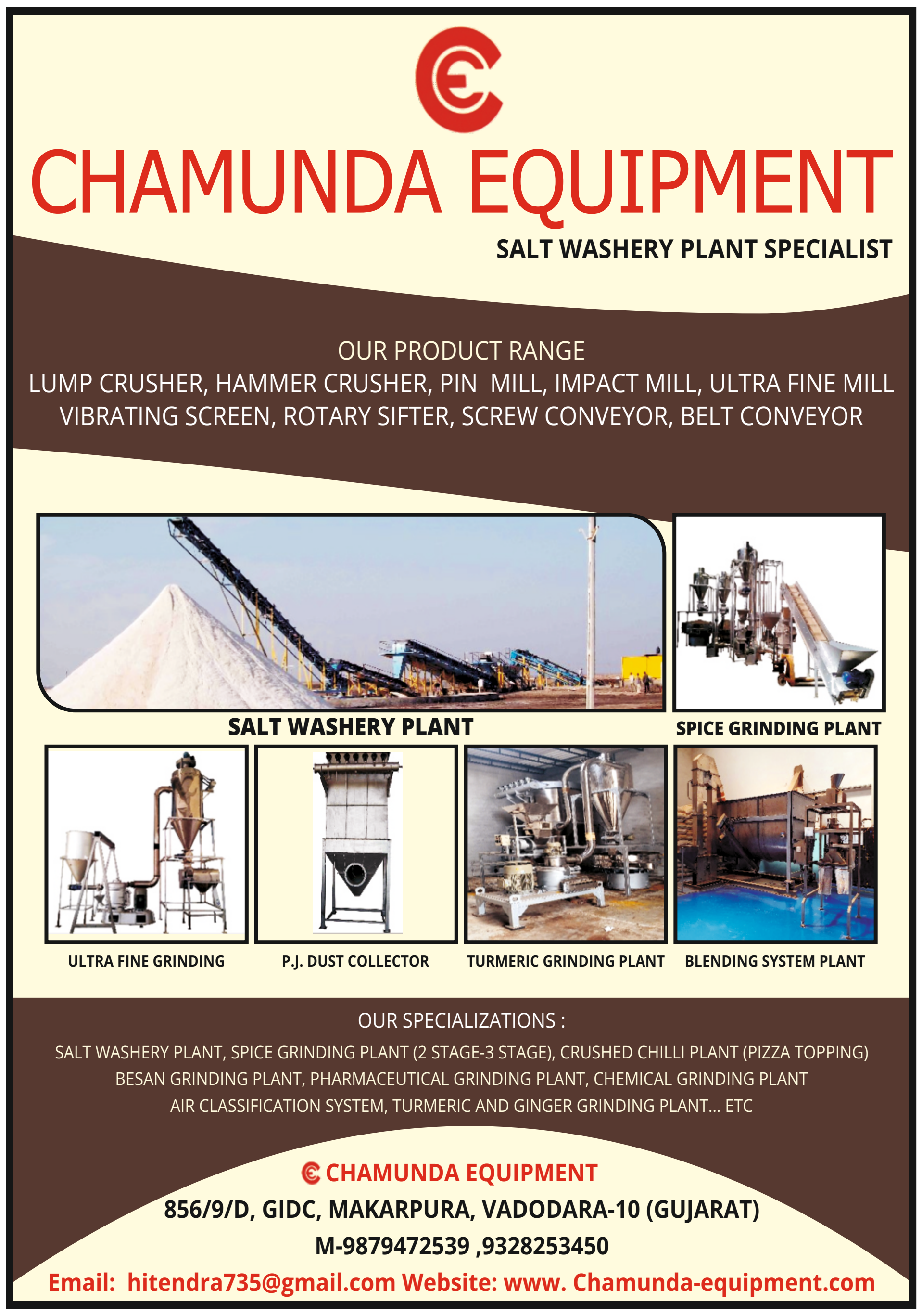

SALT PRODUCTION IN GUJARAT HITS 7-YEAR PEAK

Ahmedabad: Salt manufacturers in Gujarat are finally feeling relieved as salt production has hit a 7-year high. The Indian Salt Manufacturers' Association (ISMA) estimates that 337.56 lakh metric tonnes (MT) of salt were produced in 2023-24, about 10% more than the 308.01 lakh MT produced in 2022-23. With no unexpected rain during the peak season, salt producers are happy about the increased production.

However, they are still worried about the decreasing amount of salt produced per acre.

At its peak in 2005-06, salt production surpassed 400 lakh MT and later remained between 350 lakh MT and 400 lakh MT. However, changes in weather patterns have affected the yield. ISMA estimates indicate that the per-acre yield of salt has reduced to 55 tonnes from 60 to 65 tonnes a decade ago, triggered by climate change.

Bharat Raval, president of ISMA, explained, "In the past decade, the average rainfall in the state has increased to 900mm during the season, compared to 700mm in the previous decade. Additionally, the monsoon pattern has completely changed due to climate change, often causing the shortening of the salt production season or washing away of stocked salt. As a result, salt production has declined over the past decade and has significantly decreased from its peak levels, though it is now slowly rising."

He added, "In the past decade, the area for salt harvest has also increased, but production has not grown at the same

See Remaining Page No. 3

आयोडीन की कमी को नजर अंदाज नही करें

शरीर के विकास और मेटाबॉल्जिम में आयोडीन की अहम भूमिका है। थायरॉयड हार्मोन्स बनाने के लिए आयोडीन बहुत जरूरी है। जीवन के हर स्तर के आधार पर आयोडीन की जरूरत अलग–अलग होती है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, वयस्कों को हर दिन 150 माइक्रोग्राम आयोडीन की जरूरत होती है। प्रेगनेंसी में हर दिन 220 माइक्रोग्राम जबकि ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली महिलाओं को रोजाना 290 माइक्रोग्राम आयोडीन की आवश्यकता होती है।

हालांकि आयोडीनयुक्त नमक की वजह से अब आयोडीन की कमी के मामले पहले की तुलना में बहुत कम आते हैं लेकिन फिर भी कई लोग इसकी कमी के शिकार हो जाते हैं। अमेरिकन थायरॉयड एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की लगभग 30 फीसदी आबादी में आयोडीन की कमी का खतरा है। ये संकेत बताते हैं कि आप में आयोडीन की कमी हो सकती है और इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए:

गर्दन पर गांठ : थायरॉयड ग्रंथि गण्डमाला (Goiter) का बढ़ जाना आयोडीन की कमी का सबसे पहला ओर स्पष्ट लक्षण है, गण्डमाला को कई लोग घेंघा भी कहते हैं। वार्ड कहती हैं, ज्यादातर प्रोसेस्ड कमर्शियल फूड में इस्तेमाल नमक में आयोडीन नहीं होता है, जो लोग प्रोसेस्ड फूड पर निर्भर रहते हैं उनके शरीर में पर्याप्त मात्रा में आयोडीन नहीं होता है।

लेटते समय दम घुटना : गण्डमाल की वजह से सांस लेने और निगलने में कइिनाई महसूस हो सकती है, अमेरिकन थायराइड एसोसिएशन के अनुसार, लेटने पर आपको ऐसा महसूस होता है जैसेकि आपका दम घुट रहा हो।

थकान महसूस करना : टेक्सास वूमेंस यूनिवर्सिटी में न्यूट्रिशन एंड फूड साइंस की प्रोफेसर डॉक्टर नैन्सी डिमार्को ने 'द हेल्दी वेबसाइट' को बताया, 'आयोडीन' एक आवश्यक सूक्ष्म पोषक तत्व है, जो बॉडी के हर टिश्यू में पाया जाता है। थायरोक्सिन और ट्राईआयोडायरोनिन जैसे थायरॉयड हार्मोन के उत्पादन में आयोडीन की अहम भूमिका है। हाइपोथायरायडिज्म में थायरॉयड असामान्य रूप से निष्क्रिय हो जाता है। इसकी कमी से हर वक्त थकान, कब्ज और वजन बढ़ने जैसी दिक्कत हो सकती है। इसकी कमी से हर वक्त थकान, कब्ज और वजन बढ़ने जैसी दिक्कत हो सकती है।

रूखी स्किन और बालों का गिरना : आयोडीन की कमी से स्किन रूखी होने लगती है, बाल गिरने लगते हैं और कुछ लोगों को मांसपेशियों में दर्द भी हो सकता है। डिमार्को का कहना है, 'पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हाइपोथारायडिज्म का आठ गुना ज्यादा खतरा होता है। वैसे तो ये महिलाओं में किसी भी उम्र में हो सकता है लेकिन मेनोपॉज के बाद इसकी संभावना ज्यादा बढ़ जाती है।'

काम में दिक्कत महसूस होना : 'एक्सेप्अ द बेस्ट बुक' की प्रसिद्ध लेखिकार एलिजाबेथ वार्ड कहती हैं, 'वयस्कों में' आयोडीन की कमी का असर मानसिक तौर पर पड़ सकता है और इसकी वजह से कार्य क्षमता प्रभावित हो सकती है। वार्ड कहती हैं ये लक्षण हाइपोथारायडिज्म के हो सकते हैं। प्रेग्नेंट और ब्रेस्टफीडिंग कराने वाली महिलाओं को आयोडीन से भरपूर खाद्य पदार्थ खाने चाहिए।

प्रेग्नेंसी के समय दिक्कत : प्रेग्नेंसी के समय शरीर को थायरॉयड हार्मोन की जरूरत होती है और इसके लिए पर्याप्त मात्रा में आयोडीन की आवश्यकता होती है। वार्ड कहती हैं, 'ये थायरॉयड हार्मोन मायलिन बनाते हैं जिनसे तंत्रिका कोशिकाओं की रक्षा होती है। गंभीर आयोडीन की कमी होने पर गर्भपात का भी खतरा हो सकता है।

डिमार्को कहतीहैं, आयोडीन की कमी का होने वाले बच्चे के विकास पर बहुत असर पड़ता है। उसमें कइ तरह की न्यूरोलॉजिकल दिक्कतें आ सकती हैं, इसके अलावा आयोडीन की कमी से होने वाले बच्चे के ब्रेन डैमेज का भी खतरा होता है।

आयोडीन की कमी का टेस्ट : अगर आप अपने आयोडीन के स्तर के बारे में जानना चाहते हैं तो आप इसका टेस्ट भी करा सकते हैं। इसके लिए डॉक्टर आपको यूरीन टेस्ट कराने की सलाह देंगे क्योंकि आयोडीन यूरीन के माध्यम से शरीर से बाहर निकलता है। इसका टेस्ट कराने से पता चल जाएगा कि आपके शीरर में आयोडीन की कमी है या नहीं। आयोडीन वाले फूड : आयोडीन वाले नमक के अलावा खाने–पीने की कुछ चीजें आयोडीन बढ़ाने का काम करती हैं। जैसे कि मछली, दूध, अंडा, रोस्टेड आलू, मुनक्का, दही और ब्राउन राइस इत्यादि।

Kandla Port Salt Export increase 66% in the First Quarter of 2024-25

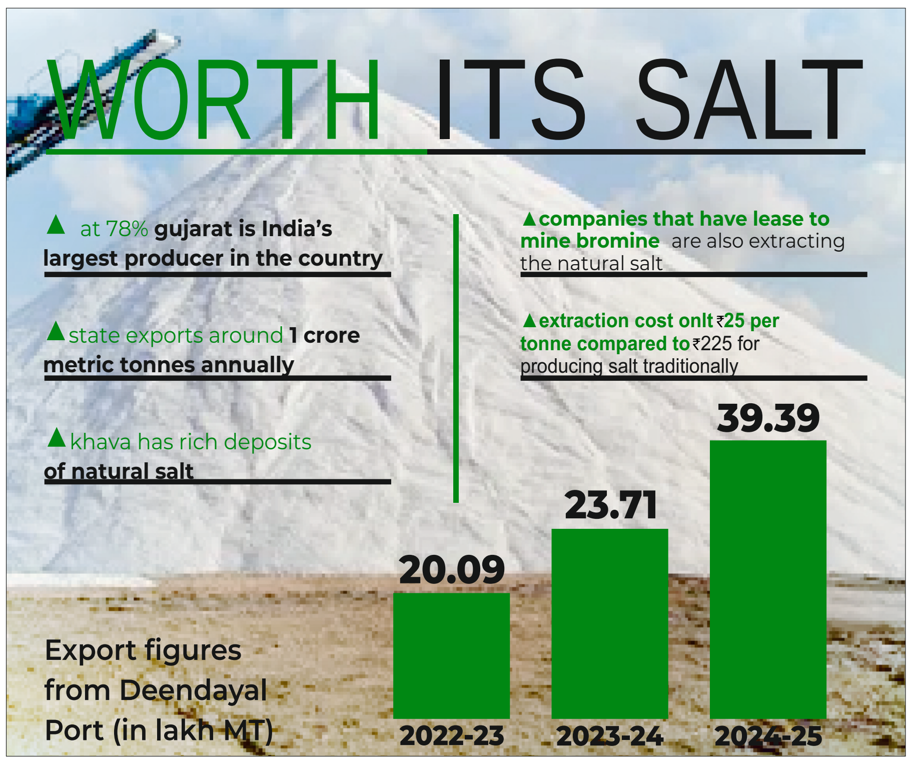

Rajkot: Salt exports from Deendayal Port, earlier known as Kandla Port, have seen a nearly 66% increase in the first quarter of 2024-25 compared to the same period last year.

The growth has been attributed to the govt policy permitting extraction of natural salt deposits near Khavda in the Greater Rann of Kutch. The policy was met with strong opposition by traditional salt manufacturers, who feared the move would affect their business.According to Deendayal Port Authority (DPA), it handles over 80% of Gujarat's salt exports and the first quarter of the 2024-25 financial year itself saw 39.39 lakh metric tonnes exported.

Bharat Raval, president of the Indian Salt Manufacturers Association (ISMA), stated, "Earlier, the natural salt deposited in the Greater Rann of Kutch was not allowed to be extracted. Govt allowed the salt to be exported after Covid-19 and this is the reason behind the increased exports. Another reason is China reducing its salt production from 800 lakh metric tonnes to 600 metric lakh tonnes, creating demand within its industry." Sources said that extracting salt near Khavda, which is logistically closer to the port, costs only Rs 25 per tonne enabling cheaper exports, compared to traditional production salt which costs Rs 225 per tonne.

Sea water in Kori Creek has led to natural formation of thick salt layers over time, with some domes reaching nearly 15 feet in height. These layers span about 80sq km in Khavda in the greater Rann of Kutch. However, salt manufacturers had opposed the govt decision to allow its extraction.

"Some bromine manufacturing companies got the lease on the land and are extracting the natural salt. We opposed this move because this salt is not produced but extracted from land which falls under the definition of mining. Govt should not allow them to extract the salt for free as a by-product of bromine but should be auctioned like any other mining product because it's a natural resource." said a salt exporter requesting anonymity.

According to DPA, out of the total 39 lakh metric tonnes exported from April to June, 16.63 lakh metric tonnes were exported in June alone.

S K Singh, the newly appointed chairman of DPA, said, "Our dedicated team's meticulous planning and efficient operations have made it possible to surpass the previous record of highest export in one month of 12.84 lakh metric tonnes in Jan 2024. We are working to make this port a preferred port of call for shipping lines."

source :toi

Best Salt Manufacturer In India

LARGEST CAPACITY In South Gujarat

SUPER SALTS PVT. LTD.

Mr.Kishor Chheda

Incredible Journey

Super Salts started its incredible journey by firstly supplying edible salts to popular brands like Annapurna, Hindustan Unilever, Nilon's, Everest Masala, etc.

High Quality

With passion for producing high quality salts naturally, coupled with profound expertise in salt manufacturing and processing, we decided to expand.

Trusted Suppliers

Over the period we also became trusted suppliers of industrial salts to Chlor Alkali Industries like GACL, Reliance, UPL and many others.

3,00,000 Tons Per Annum

QUALITY 30 YEARS TRUST Best Quality

Today, we produce 1000 metric tons of salt a day and have an output of 3,00,000 tons per annum. We have a capacity of loading 2000 tons of salt every day.

Mr.Ketan Trivedi

Vision & Mission

To provide optimum health and preserve it by producing natural, supreme quality salts through excellent services.To become a one-of-its-kind salt brand by providing value added edible and non-edible salt products.

Quality System

All our processes are automated, thereby providing excellent purity levels, managed by an experienced and capable staff.The quality of the salt is tested in ultra-modern laboratories with latest technologies. The processes, right from ensuring its safety to packaging are closely monitored using the HACCP system.

Salt Price increased by Rs 6 Per Kg

Kathmandu : The government has increased the price of salt after 8 years. According to Deputy Chief Executive Officer of Salt Trading Corporation, Kumar Rajbhandari, the meeting of the board of directors of the company on 02-07-2024 decided to increase the price of salt.

The consumer price of Ayo salt, which was previously Rs 20, has now been increased to Rs 26 per kg.

The wholesale price of Ayo salt has been increased to Rs 23 per kg.The price of new Shakti salt has reached Rs 17 per kg in bulk and consumer price has reached Rs 20. Bhanu salt has reached Rs 9 per kg.

According to Rajbhandari, even though the price has increased, the company still has a loss. Earlier, the company was selling salt costing Rs 28 per kg at Rs 18.50. Now Rs 23 has been set for wholesale sale. He informed that even in this case, the company will incur a loss of Rs 5 per kg.

He said that profit was not sought in salt because it was a service provided by the government to the people. However, he said that there is a plan to gradually adjust the price and go to the point where there is no loss.

Remaining Part of Page 1

SALT PRODUCTION IN GUJARAT HITS...........

rate." Gujarat and Rajasthan account for about 90% of India's total salt production. About 30% of this salt is exported, while the rest is used in India for edible and industrial purposes. Lower production is expected to raise the price of salt, both edible and industrial. "The demand for salt in the chlor-alkali industry grows between 6.5% and 8% yearly, while salt production barely grows at half that rate. This is why prices have been high over the past few years. However, we expect some price relief this year," said a senior ISMA official.

न्यूज, रिर्पाट, आर्टीकल देने के लिए सम्पर्क करें मों. 989125936

साल्ट टेबलेट ही साल्ट टेबलेट

वाटर साफ्टनिंग के लिए

साल्ट टेबलेट

खरीदने हेतू सर्म्पक करें

अपने वाटर साफ्टनर प्लांट की लाइफ बढ़ाए

BHASKAR SALT SUPPLIERS

2514, Tilak Bazar, Delhi-110006

Mobile : +91 9999077805

सभी प्रकार के नमक के लिए सर्म्पक करें

आगरा के नाले में फेंक दिए पीएम का फोटो लगे नमक के पैकेट

किशनी (मैनपुरी)। क्षेत्र से होकर गुजरने वाले ग्वालियर–बरेली राजमार्ग से नवीन बन रहे फायर सर्विस सेंटर के पास खेत के किनारे प्रधानमंत्री के नाम से प्रिंटेड नमक के पैकेट की बोरियां मिली। यह नमक के पैकेट पहले राशन में गरीबों को वितरित किये जाते थे। मौके पर कुछ बोरियां जलाई भी गई थीं। इसकी जानकारी जैसे ही सोशल मीडिया पर हुई तो दो घंटे में बोरियां और पैकेट गायब हो गए। गरीबों को मिलने वाले नमक के पैकेट आखिर कहां से आए थे और कैसे गायब कर दिए गए। यह बात लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। लोगों का मानना है कि यह पैकेट निश्चित ही किसी राशन की दुकान से ही आए होंगे। जिला पूर्ति अधिकारी क्यामुद्दीन अंसारी का कहना है कि मामले की जांच कराई जाएगी।

IN GANDHIDHAM

HITACHI CONTRACTOR

(SPECIALIST IN SALT WORKS)

All Over Gujarat

Shree Ravechi Earthmovers

218, Gokul Park, Gandhidham-370201 Distt.-kutch (Gujarat)

Mobile : 9099371451,9925414538

Email : bhaveshahir567@gmail.com

Sister Concern :
Ravechi Salt Works
VDM Warehouse & Logistics

विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करे : 9891259636

PARVATHI V.G.P GROUP

SANTHANAM PACKAGINGS PVT LTD

(UNIT OF PARVATHI POLYBAGS)

1-203, KURUKKUSALAI TO KULATHUR MAIN ROAD, K.SHANMUGAPURAM VILLAGE, KURUKKUSALAI THOOTHUKUDI - 628772

OUR PRODUCTS

Multicolor Bags/PP Bags (5Kgs -75Kgs)
Salt Bags, Rice Bags, Dhall Bags, Atta Bags, Sugar Bags, Fertilizer Bags,Seed Bags, Chemical Bags,Cattle Feed Bags, Wall putty Bags,Cement Bags,Activated Carbon Bags, Leno Bags

SHOPPING BAGS
Customized Tailor Made Bags

PP NON-Woven Bags (2Kgs -50Kgs)
Rice Bags, Dhall Bags, Salt Bags Fertilizer Bags, Activated Carbon Bags

POUCHES & ROLLS
Laminated Rolls & Pouches For all Flexible Packaging (5grm - 5kg)

GUNNY BAGS
New & Refurbished Gunny Bags

PINCH BOTTOM BAGS
The Pinch Bottom Bags have gained immense popularity in the market due to its distinct abilities. Here BOPP Pinch Bottom bags take the charge and guarantess 100% protection

DIRECTORS

G.RAJENDRAN - +91 94431 34812 rajendrang1966@gmail.com
V.G.KANNAN - +91 94433 41828 vgkannanbags@gmail.com
G.JEYAKUMAR - +91 94431 51828 geejay1828@gmail.com
M.GURUSEKAR - +91 94431 77999 geejay1828@gmail.com
M.MUTHUVEL - +91 96299 77999 spplvgp@gmail.com
R.GURUMANOJ - +91 95667 77999 spplmotif@gmail.com

Ujjawal Enterprise

where quality meets service....

ONE STOP SOLUTION FOR ALL YOUR S.S. WIREMESH REQUIREMENTS IN 304 & 316 QUALITY

All wiremesh from 75 Micron to 4000 Micron in 1 meter, 4 feet, 5 feet, 2 meter & so on widths under one roof

SERVING INDUSTRY SINCE 30 YEARS

D-177,178, Siddhi Industrial Park, Opp.Jubilee Mill Compound, Bardolpura Road, O/s Dariyapur Gate, Dariyapur, Ahmedabad-380004 (Guj.)
Contact : Devendra Gandhi : 9327045653, Abhishek Gandhi : 8000277453
Email : ujjawalmesh@gmail.com Website : www.wiremesh-india.com

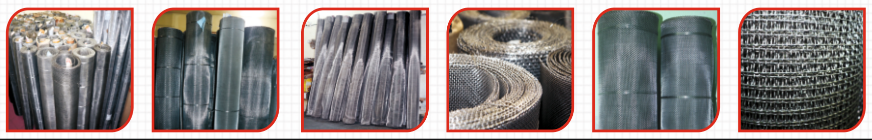

SEPTECHNIK ENGINEERS

Jitendra Patel 09824515558

Mfrs of : Mechanical & Hydraulic Pusher Centrifuges

India's Largest Range in Pusher Centrifuges

SAGAR FILTRATION TECHNOLOGY

Spares & Service for ALL CENTRIFUGES

Address : Plot No. 185-186 Por Industrial Park, B/H Sahyog Hotel, N.H.8, Por-391243 (Gujarat)
Tele-Fax : 0265-2641585/3049070
E-mail : septechnik@yahoo.co.in, sftbaroda@yahoo.com

Daxesh K. Gajjar M. 09979918191

Nilesh K. Gajjar M. 09726448239

Shree Hari Krupa Engineering

Mfg. of Salt Washary Plant, Industrial Machines, Salt machines & All Type of Engineering Works.

Plot No. 27, Ward 1/B, Nr. Gopal Stadium, G.I.D.C. Area, Adipur (Kutch) 370205 Gujarat India.
Email: shreeharikrupaengg@gmail.com, dudhaiya.nilesh@gmail.com

स्वामी / मुद्रक / प्रकाशक सतीश अरोड़ा द्वारा कारे प्रिन्टिंग प्रेस, 574-ए, विजय पार्क, गली नं0-2 मौजपुर, शाहदरा दिल्ली-110053 से मुद्रित व 2514 तिलक बाजार दिल्ली-110006 से प्रकाशित। सम्पादक - सतीश अरोड़ा

विशेष नोट:
प्रकाशित सामग्री से सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी में भी निवेश से पहले जोखिम का आकलन खुद भी कर लें। विवादस्पद मामले दिल्ली न्यायालय में तय किए जाएंगे। किसी निर्णय से पहले पाठक सभी तथ्यों की सामूचित जांच स्वंय करले। किसी भी प्रकार के विज्ञापन, लेन-देन/दावे के लिए समाचार पत्र जिम्मेवार नहीं होगा। किसी भी जिंसो की मंदा तेजी की रिपोर्ट व्यापारिक पूछताछ पर है। किसी भी लाभ हानि का प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा। व्यापार अपनी समझ के अनुसार करें।

Celebrated National Doctor's Day at Tata Chemicals Hospital, Mithapur!